मौखिक प्र०क- रबिया के माता-पिता की मृत्यु कब हो गई थी।
उ०क। रबिया की माता बचपन में ही चल बसी थी, पिता जब वह 12 वर्ष की थी तब उसके पिता की भी मृत्यु हो गई थी।

प्र०(ख) धनी व्यक्ति रबिया के साथ कैसा व्यवहार करता था?

उ० धनी व्यक्ति रबिया के साथ बहुत बुरा व्यवहार करता था।

प्र०(ग) सपने में खुदा रबिया से क्या कह रहे थे?

उ० सपने में खुदा रबिया से कह रहे थे, "बेटी चिंता न कर! तेरे कष्ट जल्दी दूर हो जाएँगे। लोग तेरा आदर करेंगे।"

प्र०(घ) नींद खुलने पर मालिक ने क्या देखा?

उ० नींद खुलने पर मालिक ने देखा कि रबिया की कोठरी में गज़ब का प्रकाश फैला हुआ है।

प्र०(ङ) रबिया के मालिक ने क्या सोचा?

उ० रबिया के मालिक ने सोचा, "ऐसी पवित्र और पूजनीय देवी को गुलामी में रखकर मैंने बड़ा अन्याय और पाप किया है। ऐसी खुदा की इबादत करने वाली की तो मुझे सेवा करनी चाहिए।"

लिखित-

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

प्र०(क) रबिया का जन्म कहाँ हुआ था?

उ० रबिया का जन्म तुर्किस्तान के बसरा नामक नगर में हुआ था।

प्र०(ख) रबिया को किसने बेंच दिया?

उ० रबिया को किसी दुष्ट ने बहला-फुसला कर एक धनी के हाथ बेंच दिया।

प्र०(ग) खुदा से इबादत करते हुए रबिया क्या कहती थी?

उ० खुदा से इबादत करते हुए रबिया कहती थी, "ऐ मेरे मालिक! अब मैं सिर्फ़ तेरा ही हुकुम मानना चाहती हूँ। लेकिन क्या करूँ जितना चाहती हूँ, उतना नहीं हो पाता।"

प्र०(घ) मालिक ने क्या देखा?

उ० मालिक ने देखा कि रबिया की कोठरी में गज़ब का प्रकाश फैला हुआ था।

प्र०(ङ) रबिया ने सूफियान से क्या कहा?

उ० रबिया ने सूफियान से कहा, "सूफियान! क्या तुम इस बात को नहीं जानते कि बीमारी किसके इशारे पर हुई है।"

प्र०(च) रबिया ने अपना नश्वर शरीर कब त्यागा?

उ० रबिया ने अपना नश्वर शरीर हिज़री साल 15वें में त्यागा।

Scanned with CamScanner

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

उ० (क) रबिया [✓] एक महान विदुषी थी।

(ख) महान लोग किसी का अहित [✓] नहीं करते।

(ग) मानव शरीर पाँच [✓] तत्वों से निर्मित है।

(घ) सबकी सहायता ईश्वर [✓] करता है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उ० (क) व्यक्ति का सबसे बड़ा धर्म परोपकार है।

(ख) हमें किसी के साथ दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए।

(ग) सदा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

(घ) दूर-दूर से लोग रबिया का दर्शन करने आते थे।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

उ० शब्द	वाक्य
नश्वर	यह शरीर नश्वर है।
एकांत	एकांत में बैठकर चिंतन करना चाहिए।
व्यवहार	हमारा व्यवहार सभी से उत्तम होना चाहिए।
मग्न	रबिया स्वयं में मग्न रहती थी।
सौंदर्य	मनुष्य का सौंदर्य उसका ज्ञान है।

5. किसने-किससे कहा-

उ० **(क) या रब मैं तो अनाथ हूँ, तू तो अनाथों का नाथ है।**

उ० यह बात रबिया ने रब से कही।

(ख) बहन! अब तक मैं तुझे पहचान नहीं सका।

उ० यह बात मालिक ने रबिया से कही।

(ग) आप ईश्वर से प्रार्थना कीजिए, प्रभु! आपकी बीमारी ज़रूर मिटा देंगे।

उ० यह बात सूफियाना ने रबिया से कही।

(घ) तू खुदा की इबादत किसलिए करता है?

उ० यह बात लोगों में से एक से रबिया ने पूछी।

Scanned with CamScanner

आओ भाषा सीखें-

1. इसी प्रकार नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, इनके स्त्रीलिंग रूप लिखो-

उ० पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पिता	माता	मालिक	मालकिन
नौकर	नौकरानी	विद्वान	विदुषी

2. निम्नलिखित शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलो-

उ० शब्द	भाववाचक संज्ञा	शब्द	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	बचपन	थका	थकान
ऊँचा	ऊँचाई	पवित्र	पवित्रता
मित्र	मित्रता		

करो और सीखो-

1. किसी अन्य सूफी-संत का वर्णन करो।

उ० सिरडी के साईं बाबा (एक महान् सूफी-संत)

एक ऐसे महान् सूफी-संत जिनके दरबार में हिंदू, सिक्ख, ईसाई, मुसलमान आदि सभी धर्मावलंबी पूरी श्रद्धा के साथ पहुँचते हैं और अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। वे भारतीय योगी, गुरु और फ़कीर थे। उनके जन्म और जन्मस्थान के विषय में किसी को भी पता नहीं है। बाबा का वास्तविक नाम क्या था, यह भी कोई नहीं जानता है? जब वे सिरडी आए, तभी से उनका नाम साईं बाबा पड़ा है। सिरडी महाराष्ट्र राज्य का एक गाँव है जो कि साईं बाबा के कारण विश्व प्रसिद्ध हो गया है।

सूफी-संत साईं बाबा भारतवर्ष में ही नहीं, पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो गए हैं। उन्हें संसार की नाशवान वस्तुओं से कोई प्रेम नहीं था। उन्होंने अपने भक्तों को यही शिक्षा दी कि सभी से प्रेम करो, दूसरों के अपराधों को क्षमा कर दो, जो दीन-दुखी और गरीब हैं, उनकी भरपूर सहायता करो। अंदर शांति का अनुभव करो। अपने गुरु और ईश्वर पर पूरी आस्था रखो। उनकी शिक्षाएँ हिंदू एवं मुसलमानों आदि सभी के लिए समान हैं। उनका आदर्श वाक्य है- "सबका मालिक एक" (One God your us all)। उनके भक्त उनके इस आदर्श वाक्य को अपने जीवन का आदर्श मानते हैं। ऐसे संत आज के युग में दुर्लभ हैं।

Scanned with CamScanner